

इंडोनेशिया

बाली की प्लास्टिक थैलियों से भिड़ने वाली बहनें

12 और 10 साल की उम्र में मेलाती और इसाबेल विजसेन ने अपने द्वीप-घर बाली में प्लास्टिक की थैलियों पर रोक की याचिका शुरू की।

कहाँ बाली

कौन मेलाती और इसाबेल विजसेन, बहनें जिन्होंने Bye Bye Plastic Bags शुरू किया

कब 2013 से आज तक

4 मिनट में पढ़ें

पहला अध्याय

कहानी

मेलाती और इसाबेल विजसेन इंडोनेशिया के द्वीप बाली में पली-बढ़ीं। बाली अपने समुद्र-तटों और धान के खेतों के लिए मशहूर है। लेकिन वहाँ प्लास्टिक की बड़ी समस्या है। हर साल, जब हवाएँ पलटती हैं, कचरा बहकर तटों पर आ जाता है।

बहनों ने इसे हर जगह देखा। मेलाती कहती हैं कि जब वे तैरती थीं, तो प्लास्टिक की थैलियाँ उनकी बाँह पर लिपट सकती थीं। किसान प्लास्टिक के ऊपर धान रोपते थे।

दो बच्चे, एक सवाल

एक दिन उनके स्कूल ने उन्हें दुनिया बदलने वाले नेताओं के बारे में पढ़ाया, जैसे नेल्सन मंडेला और मार्टिन लूथर किंग। मेलाती 12 साल की थीं। इसाबेल 10 की। वे एक सवाल लेकर घर गईं। एक द्वीप के बच्चे क्या कर सकते हैं?

उन्होंने इंटरनेट पर खोजा। उन्हें पता चला कि 40 देशों ने प्लास्टिक की थैलियों पर रोक या कर लगाया है। तो उन्होंने सोचा: अगर वे देश कर सकते हैं, तो बाली भी कर सकता है।

2013 में उन्होंने *Bye Bye Plastic Bags* नाम का एक समूह शुरू किया। उनके पास न कोई कारोबारी योजना थी, न पैसा। उन्होंने एक याचिका शुरू की। पहले ही दिन 6,000 से ज़्यादा लोगों ने दस्तख़त किए। बाद में वह 100,000 नामों तक पहुँची।

> हम जिस बात पर यक़ीन करते हैं, उसके लिए खड़े होने को बड़े होने तक इंतज़ार नहीं करना चाहते थे।
>
> मेलाती विजसेन, CNN में उद्धृत

12 और 10

शुरू करते समय बहनों की उम्र

100,000

याचिका पर नाम

2019

जिस साल बाली की रोक लागू हुई

सीमाओं के साथ भूख हड़ताल

बाली के गवर्नर डेढ़ साल से ज़्यादा उनसे नहीं मिले। इसलिए बहनों ने भूख हड़ताल की योजना बनाई। वे भारत में गांधी का घर देख चुकी थीं। बहुत छोटी होने की वजह से उन्होंने सिर्फ़ सूरज निकलने से डूबने तक उपवास रखा, एक आहार-विशेषज्ञ की निगरानी में।

इसका असर हुआ। 24 घंटे के भीतर पुलिस उन्हें गवर्नर के पास ले गई। उन्होंने उनके साथ काम करने के एक समझौते पर दस्तख़त किए। लक्ष्य था 2018 तक प्लास्टिक-थैली-मुक्त बाली। वह तारीख़ निकल गई।

दिसंबर 2018 में एक नए गवर्नर ने एक बार इस्तेमाल होने वाली प्लास्टिक की थैलियों, स्ट्रॉ और फ़ोम पर रोक का ऐलान किया। वह 2019 में लागू हुई।

लेकिन क़ानून बनना और उसे मानना एक बात नहीं। 2021 में मेलाती ने कहा कि प्लास्टिक की थैलियाँ “पूरे ज़ोर से लौट आई हैं।” बहनें अब दुनिया भर में दर्जनों जगहों पर *Bye Bye Plastic Bags* चलाती हैं। हर समूह को युवा चलाते हैं।

कब क्या हुआ

- **2013** मेलाती, 12, और इसाबेल, 10, Bye Bye Plastic Bags शुरू करती हैं।
- **2018** बाली के गवर्नर एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक पर रोक का ऐलान करते हैं।
- **2019** रोक लागू होती है।
- **2021** मेलाती कहती हैं कि प्लास्टिक की थैलियाँ लौट आई हैं और रोक पर अमल नहीं हो रहा।

दूसरा अध्याय

यह कहानी ख़ास क्यों है

उन्होंने बिना योजना और बजट के शुरुआत की, उस उम्र में जब ज़्यादातर बच्चों से कहा जाता है कि अपनी बारी का इंतज़ार करो।

उनकी भूख हड़ताल को उनकी उम्र के हिसाब से बदला गया था, सीमाओं और देखभाल के साथ। उन्होंने दबाव को शांतिपूर्ण और सुरक्षित रखा।

हमारी राय

उन्होंने क़ानून जीता, और फिर सीखा कि क़ानून जीतना काम का सिर्फ़ पहला आधा हिस्सा है।

तीसरा अध्याय

हम क्या सीख सकते हैं

1 एक सवाल से शुरू कीजिए

उन्होंने पूछा कि एक द्वीप के बच्चे क्या कर सकते हैं।

यह आज़माएँ: अपने आसपास की एक समस्या लिखिए। पूछिए: इस हफ़्ते मैं इसके लिए क्या कर सकता हूँ?

2 जो काम कर चुका है उसे अपनाइए

उन्होंने पाया कि 40 देश पहले ही कुछ कर चुके हैं, और कहा कि बाली भी कर सकता है।

यह आज़माएँ: शुरू करने से पहले खोजिए कि किसने ऐसी ही समस्या सुलझाई है।

3 शांतिपूर्ण दबाव डालिए

जब गवर्नर ने अनदेखा किया, तो उन्होंने एक सावधान, शांतिपूर्ण विरोध किया।

यह आज़माएँ: जब आपको अनदेखा किया जाए, तो अपनी बात दिखाने का कोई सुरक्षित, शांतिपूर्ण तरीक़ा ढूँढिए।

4 जीत के बाद भी नज़र रखिए

क़ानून पास हुआ, पर उस पर अमल नहीं हुआ, इसलिए थैलियाँ लौट आईं।

यह आज़माएँ: किसी फ़ैसले के बाद एक महीने में लौटकर देखिए कि क्या सचमुच हुआ।

साथ ले जाने वाली एक बात

काग़ज़ पर क़ानून एक वादा है। उसे निभाना किसी को पड़ता है।

स्रोत (अंग्रेज़ी में)

CNN
The teenagers getting plastic bags banned in Bali (2017)

NPR
Two young women on Bali are on a mission to change that, beginning with plastic bags (2019)

VICE World News
Bali's plastic bag ban and the Wijsen sisters (2021)

तथ्य-जाँच नोट: स्रोत मुख्य कहानी पर सहमत हैं और ब्योरों में अलग हैं। उम्र: शुरू करते समय मेलाती 12 की और इसाबेल 10 की थीं (NPR, VICE); CNN "10 और 12" कहता है। स्थापना का साल: 2013 आम तौर पर बताया जाने वाला साल है; CNN (2017) कहता है कि उन्होंने "चार साल" अभियान चलाया। भूख हड़ताल: CNN (2017) कहता है कि यह डेढ़ साल से ज़्यादा मुलाक़ात से इनकार के बाद आई, सिर्फ़ सूरज निकलने से डूबने तक एक आहार-विशेषज्ञ की निगरानी में रखी गई, और 24 घंटे के भीतर पुलिस बहनों को गवर्नर के पास ले गई, जिन्होंने जनवरी

2018 तक प्लास्टिक-थैली-मुक्त बाली के लिए एक समझौते पर दस्तख़त किए; VICE (2021) धमकी भरी हड़ताल को 2017 का बताता है; NPR कहता है कि फ़ोन आने के अगले दिन बहनों को स्कूल से ले जाया गया। कहानी हड़ताल की कोई तारीख़ नहीं देती। NPR कहता है कि बहनों की याचिका को एक दिन से भी कम में 6,000 से ज़्यादा दस्तख़त मिले; CNN कहता है कि बाद में वह 100,000 पार कर गई, दस्तख़त बाली के हवाई अड्डे पर इकट्ठे किए गए। लक्ष्य की तारीख़: CNN जनवरी 2018 कहता है और NPR "2018 तक प्लास्टिक-थैली-मुक्त"; कहानी 2018 कहती है। रोक: NPR (जनवरी 2019 में प्रसारित) कहता है कि एक नए गवर्नर ने "पिछले महीने" रोक का ऐलान किया, यानी दिसंबर 2018; VICE कहता है कि थैलियों, स्ट्रॉ और स्टायरोफ़ोम पर रोक का आदेश "लगातार दबाव के बाद 2019 में लागू हुआ"। कहानी कहती है कि ऐलान दिसंबर 2018 में हुआ और रोक 2019 में लागू हुई। अमल: VICE (2021) मेलाती को यह कहते उद्धृत करता है कि प्लास्टिक की थैलियाँ "पूरे ज़ोर से लौट आई हैं" और क़ानून "लागू नहीं है"; यह मेलाती का नज़रिया है, कोई सरकारी गिनती नहीं। जगहों की संख्या: 28 (NPR, 2019) या 50 (VICE, 2021); कहानी "दर्जनों" कहती है। उद्धरण मेलाती का है, CNN में। 40 देशों का आँकड़ा NPR और VICE से है। नक़्शे का निशान द्वीप दिखाता है। "हमारी राय" वाली पंक्तियाँ हमारी अपनी व्याख्या हैं। बाकी सब ऊपर दिए स्रोतों से है।